

मुख्यमंत्री विधान सभा में अमरनाथ की आतंकी घटना की पुरजोर शब्दों में निंदा की

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य
या सरकार की लड़ाई नहीं, बल्कि पूरे देश की लड़ाई है

मुख्यमंत्री ने आतंकी घटना में मृत श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की
तथा मृतकों के परिजनों और घायलों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की

घटना के तुरन्त बाद रात्रि में ही प्रदेश के गृह मंत्रालय की एक आवश्यक बैठक
कर सावन महीने में पूरे प्रदेश में कांवड़ यात्रा एवं ज्योतिर्लिंगों पर जलाभिषेक
कार्यक्रमों को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सतर्कता
के लिए अलर्ट जारी किया गया

कांवड़ यात्रा के श्रद्धालुओं को 'क्या करना चाहिए,
क्या नहीं करना चाहिए' के निर्देश जारी किए गए हैं

कांवड़ यात्रा के श्रद्धालुओं से अपना-अपना
आई०डी० प्रूफ अवश्य साथ रखने की अपील की गई है

लखनऊ : 11 जुलाई, 2017

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अमरनाथ की आतंकी घटना की पुरजोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य या सरकार की लड़ाई नहीं, बल्कि पूरे देश की लड़ाई है। इसलिए हम सब को राष्ट्र के एक नागरिक के रूप में इस लड़ाई में अपना पूरा सहयोग करना चाहिए, जिससे आतंकवाद का नामोनिशान मिट सके और देश का हर नागरिक अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सके।

मुख्यमंत्री जी आज विधान सभा में अमरनाथ की आतंकी घटना में मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करने के लिए सदन में रखे गए प्रस्ताव पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित ने कहा कि वे शोक संतप्त परिवारों को सदन की भावनाएं प्रेषित करेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं पर हुए हमले को कायराना कार्रवाई बताते हुए इसकी भर्त्सना की और सदन से अपील की कि इस प्रकार की आतंकी घटना को किसी अन्य एंगल से जोड़ने के बजाय सभी इसकी पुरजोर शब्दों में निंदा करें। उन्होंने आतंकी घटना में मृत श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा मृतकों के परिजनों और घायलों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की।

योगी जी ने कहा कि घटना के तुरन्त बाद रात्रि में ही प्रदेश के गृह विभाग की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गयी। सावन के पवित्र महीने में पूरे प्रदेश में कांवड़ यात्रा और लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा शिवालयों एवं पवित्र ज्योतिर्लिंगों पर जलाभिषेक के कार्यक्रमों को देखते हुए रात्रि में ही पूरे प्रदेश में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सतर्कता के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भीड़भाड़ वाली स्थितियों का लाभ उठाकर शरारती तत्व अप्रिय घटना घटित कर सकते हैं, जिससे सुरक्षा के साथ-साथ कानून-व्यवस्था का भी गम्भीर संकट पैदा हो सकता है। इस सम्बन्ध में भी अलर्ट जारी करते हुए अधिकारियों को सावधानी बरतने के निर्देश दिए गये हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में राज्य के लोगों के साथ-साथ उत्तराखण्ड तथा अन्य राज्यों से भी कांवड़ यात्री आते हैं। इस सम्बन्ध में उन्होंने स्वयं उत्तराखण्ड के अधिकारियों के साथ बैठक की है। साथ ही, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पुलिस महानिदेशक और प्रमुख सचिव गृह ने अन्य राज्यों के अधिकारियों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित न हो। कांवड़ यात्रा के श्रद्धालुओं को 'क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए' के सम्बन्ध में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

योगी जी ने कहा कि कांवड़ यात्रा में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था बनायी गई है कि वे यात्रा के दौरान प्रातः 06 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक लाउड स्पीकर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस सम्बन्ध में कांवड़ यात्रा में जाने वाली समितियों को सम्बन्धित जिला प्रशासन से परमिशन लेनी होगी। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा में जाने वाले श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अपने साथ अपना-अपना आई0डी0 प्रूफ अवश्य साथ रखें, जिससे आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षा बलों द्वारा त्वरित कार्रवाई करने पर पहचान का कोई संकट न हो।

इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष श्री राम गोविन्द चौधरी ने भी अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं पर आतंकी हमले की पुरजोर निंदा करते हुए कहा कि पक्ष-विपक्ष सभी पूरी तरह से श्रद्धालुओं के साथ हैं।

ज्ञातव्य है कि सोमवार की रात में जम्मू और कश्मीर राज्य में अनंतनाग के पास अमरनाथ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं पर आतंकवादियों ने हमला किया था। इस घटना में 07 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई थी तथा कई अन्य घायल हो गए थे।